

## Inhalt

|   |     |
|---|-----|
| Vorwort .....   | 9   |
| 1. Tabu und Provokation .....                             | 17  |
| 2. Das radikal Böse und die bürokratische Herrschaft..... | 29  |
| 3. Zum Pathos der Apathie.....                            | 41  |
| 4. Totalität und Totalisierung.....                       | 47  |
| 5. Der neue Tod.....                                      | 57  |
| 6. Zur Ökonomie der Vernichtung .....                     | 63  |
| 7. Politische Ethik aus dem Geiste des Erzählens .....    | 69  |
| 8. Verwaltung und Verantwortung.....                      | 85  |
| 9. Wider die Möglichkeit totaler Herrschaft .....         | 95  |
| 10. Der Abgrund der Schuld.....                           | 101 |
| 11. Ideologie als Fiktion.....                            | 113 |
| 12. Der Terror der Hölle.....                             | 125 |
| 13. Invokation.....                                       | 135 |
| 14. Das Trauma des Holocaust und die Philosophie.....     | 143 |
| 15. „Auf den Knien leben“ .....                           | 151 |
| 16. Ist der Holocaust deutsch? .....                      | 165 |